Bw – आस्था/भरोसा/विश्वास-के-समय परमेश्वर हमारे लिए क्या
करता है आस्था/भरोसा/विश्वास | 1

– Save This Page as a PDF–

आस्था/भरोसा/विश्वास-के-समय परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है



1. परमेश्वर हमें अन्धकार के राज्य से
छुड़ाता है और हमें मसीह में जीवित करता है (कुलुस्सियों १:१३; इफिसियों २:५; रोमियों ६:१०; यूहन्ना ३:३-१६; दूसरा कुरिन्थियों ५:१७)।

2. परमेश्वर हमें उठाता है और मसीह में पिता के दाहिने हाथ बैठाता है (भजन संहिता ११०:१; मत्ती २२:४४; प्रेरितों के काम २:३४, ७:५५; इफिसियों १:१, ३-४, 6, 9, ११-१३, २०), जहां हमारे महायाजक के रूप में, वह लगातार हमारे लिए मध्यस्थता करता है (अय्यूब १६:१९-२१; रोमियों 8:26-27, 34; इब्रानियों ७:२५; पहला यूहन्ना २:१) ।

3. परमेश्वर हमें मसीह में अपने साथ जोड़ता है (यूहन्ना ६:५६, १७:२०-२३; रोमियों ७:४, १२:५; इफिसियों ४:२५, ५:३०)।

4. परमेश्वर हमें अपने पवित्र आत्मा से मुहरबंद करता है (इफिसियों १:१३-१४; दूसरा कुरिन्थियों १:२१-२२), और पवित्र आत्मा में, उसके द्वारा और उसके द्वारा हमें बपतिस्मा देता है (मत्ती ३:११; मरकुस १:८; लूका ३:१६; यूहन्ना १:३३; प्रेरितों के काम १:५, ११:१६; पहला कुरिन्थियों 12:13), मसीह की देह में (गलातियों ३:२७; पहला कुरिन्थियों १२:१३)।

5. मसीह के द्वारा परमेश्वर का हमारे साथ मेल है (रोमियों ५:१)।

6. परमेश्वर हमें विश्वास के द्वारा मसीह की धार्मिकता हस्तांतरित करता है, जो कर्मों से अलग है (२ कुरिन्थियों ५:१९ और २१; गलातियों २:१६, ३:६-९, २४; रोमियों ३:२१-२४, ५:९) , १०:१४)।

7. परमेश्वर, न्यायी के रूप में, घोषणा करता है कि हमारे पाप का दोष और दंड एक बार

Bw – आस्था/भरोसा/विश्वास-के-समय परमेश्वर हमारे लिए क्या
करता है आस्था/भरोसा/विश्वास | 2

और सभी के लिए चुका दिया गया है। वह हमें हमारे पापों को क्षमा करता है और उसके सामने हमारे पास एक सही स्थिति है। इसलिए, हम धर्मी ठहराए गए हैं (रोमियों ३:२१-२६; तीतुस ३:७; १कुरिं ६:११; इब्रानियों १०:१०)।

8. परमेश्वर हमें अपने परिवार में ग्रहण करता है (इफिसियों १:४-५; यूहन्ना १:१२; गलातियों ३:२६-२९)।

9. परमेश्वर हमारा नाम मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखता है (दानिय्येल १२:१; लूका १०:२०; फिलिप्पियों ४:३; इब्रानियों १२:२३; प्रकाशितवाक्य ३:५, २०:१२ और १५, २१:२७) ।

पौलुस ने लिखा: क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न दुष्टात्माएं, न वर्तमान, न भविष्य, न कोई सामर्थ्य, न ऊंचाई, न गहिराई, और न कोई और सारी सृष्टि में (जिसमें हम भी शामिल हैं) कर सकेंगे। परमेश्वर के प्रेम से जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है हमें अलग कर (रोमियों ८:३८-३९)। एक बार जब परमेश्वर उपरोक्त सब कुछ कर देता है, तो हम संभवतः इसे पूर्ववत नहीं कर सकते। हम उसके साथ एक हैं और स्वर्ग में कोई गर्भपात नहीं होता है

(देखें Ms – बिसवासी की अनंता कालीन सुरक्षा)।